

ॐ नमः

ॐ नमः

या लया गि नि सा आ ह नू व उ ह नू व ॥ ॥ ग न उ नू च न ह णि र्थ ग न ध नि या २ ह नः
धि वा कू व उ ह नू व नू व ॥ ८ ॥ ॐ ॥ ग न ह नू वि न म हू नू क नू व नू प ध नू २ ह नू
वि स त्व उ ग ध नू ॥ ॥ ग न हू २ ग न हू २ ग न हू २ ॥ ॥ द द आ लि ह ह आ ग ध नू २ व
उ य ४ मू ज ध नू ॥ ॥ ध व न हू हू नू न द ह ध नू २ स न द स च उ म नू ॥ ॥ माः
या द ह वि न उं गु २ सा हि थ क नू व स त्व म हू ॥ २ ॥ ॐ ॥ ग न हू नू म ल वि वि च उ न
वि स णि म धु ल मा आ थि ति आ न द मू नू ति ध ना २ व उ वा ना हि आ लि ह ह स म व न ना

ना न स्मि म हा जाला ॥ ॥ ग न हू २ ग न हू २ ग न हू २ ग न हू २ ॥ ॥ नी ल वर्ध
व उ र्व कू पु ति मू व वि न र्ण य न मा न द मू नू ति ध ना २ वि श्व व उ मू र्व च उ उ नाः
म कू ट ध ना हा उ आ र न ह स सा रि ता ॥ ॥ व उ य ४ ग उ च म उ म नू व धी क
वी न मा न द मू नू ति ध ना २ क न ठि क पा ल य ल स पा ह वि श्व ल व द्र क पा ल म लः
ध ना आ च म क र्ति य स्ति ता ॥ ॥ दि ग वि दि ग का का धा दि उ म दा कि नि द वी स ह
जा मा न द मू नू ति ध ना २ न मा मि २ न मा मि श्री च उ र्व च ह नू नू च न ह आ ना धि ता ॥

अनुरूपः॥

॥ १०॥ ॐ ॥ **नागलवि** ॥ अनुरूपवत्तु नाहं कानरावन्ननूपविक्रितविविक्त
लक्ष्मि ॥ ॐ ॥ १॥ कानवडा मृतमूदकं सफसं ॥ धिगं हानमृतमयं ॥ ॐ ॥ च डामृ
तमयं वाधिरुलदायकं सर्वदिनयापि न सहज कलक्षं ॥ १॥ गतिमनराधनं च न्यक
नूरा रुचं संसात्रनासनविनक्तुयं ॥ ॥ वडयनमानुमयंगधाम्बुक्षीयूकं गीख
॥ धिगपंचपिययं ॥ १॥ कानमकुपयगधवजसंथापितवियाककलक्षं ॥ ॥ घ
तमलं नूपरावैआकाशमया किनिजलनूपं ॥ १॥ मतिटिसाधनधदवगात्रकुहान

२॥ विनिवायन ॥

सत्त्वमानियं द्वदिडकिनक्षं ॥ ॥ याद्यादिआवमनदानपूयसयं समयसत्त्वय
वक्षितविमूदकलक्षं ॥ १॥ महानागडविरुयं वाधिरुनूपं समयसत्त्व हानस
त्त्वप्रकीरुतं ॥ १॥ ॥ ॐ ॥ **यागहोत्रवि** ॥ विहीनायधवडवक्तुविताना ॥ १॥ वाह्य
तिष्ठामशुल ॥ ॐ ॥ ॥ हामकनयीयाहं हं नहिचवमाना ॥ १॥ नागद्वयमाहवद्विः
प्रकृदियायन ॥ ॥ प्रह्लाद्यं हडयाययवजाशनविशिक्षिवायमिआचार्यनयः
तिष्ठा ॥ ॥ गगतदहिनकनसवाल्यपाश ॥ १॥ कलयिवजानलआहतिदिना ॥ ॥

॥ जालि न जानल ॥

कर्तुं बालं न ल्यग्रं स्य कलहाम २ कलिक प्रतिसामं तुलहाम ॥ १२ ॥ ० ॥ **वागपं**
चम ॥ जालि न जानल न विहासि कं चित्तं दाव यि उं का न ल द नूपा २ क नूपा
ला वि नू व न ली स ॥ य यिस यि हा सि वि नू प य न मान च म नू ति नू प धा वि का धा धि
पथी म ३ व जा ॥ उं नू १ ३ २ का धा धि पथी म ३ व जा ॥ ॥ कलि क म ल स ज म स
ह जा म व न न न स वि हा ग ति २ य म ल व ट उ ज न ल म क ट मी लि क क सि ना न न
द हि न वा म ॥ ॥ ३ ३ म गु ला प नि व ज प र्थ क कू कू म नू ल न नू प्र क लि ना २ व

॥ कोलायि ॥

जल प्रहाल द हि न वा म य धा ल वा य धा मि ॥ ॥ वि वि नू न लार व धा वि रु वि
नारु ल यि म न क म नू ति नू र्थ २ हा न गु नू च न ध क म ल पु सा दा न मा मि प न म नि ना
प दं ॥ १३ ॥ **वाग तादि** ॥ काला यि न थि या वा । ला मू मू नि ल क न काला २ य न क नू
यी ० हा व ज यि क नू ल धा कि या यि न लाला ॥ ३ ॥ म न य ज कू गु नू व र्ज यि ३ ३
डि म मा ज हि न व र्ज यि ॥ ॥ क हि र ल खार्ड न ग ध म य ना यि व र्ज यि या यि
२ हा य कालि ज ल प न या यि दू दू नू व ज न या यि ॥ ॥ च वू म क रु वी सि हा क र्थू

॥

सर्ववृद्धः॥

सुनावनयायि २ मलयज न च न सा लिं क हिं र लू ख रू न या यि ॥ ॥ य ष ष ख ट कः
नं ग सु डा सु ड न म न यि २ निलं सु ह म रू च उ व यि ग हि र लूं ड स ना प न म ॥ १४ ॥
॥ ॐ ॥ **नाग त म न वि** ॥ सर्व वृद्ध विवृद्ध म छि ग वि श्व मा न कृ द नि २ व ड या गि नि व ड
म छि ग काल धा न सि डि न च लि ॥ ५ ॥ न मा मि वा कृ लि सि डि या गि नि या गि नि ग
ध म छि ना ॥ ॥ आ दि न म छु ल न ड स म ल स दी य माल स वि ल ला ॥ च कि कृ छु ल क छि
ना च क म ख ल वि रु पि ना ॥ ॥ क र्हि ष त्य न मा न कृ द नि म कू ट क णा दि गं व ना २ः

रुद्रासिना॥

मू उ मा ला ख द्वा न म छि ग ल न जि कृ ह यं क ना ॥ ॥ उ क्त द वी उ कृ क मू न का स य लः
वि श्व वि या पि ना २ उ रू उ स ल ध शि ल्यं ध नि या म व धू व क रू पा गा व यि या ॥ १५ ॥ ॐ
२ ना ग **रू न वि** ॥ ॥ ह ल सिल म कू ट कि न ति म ति रा ख न च न ध मू ग २ ॥ ५ ॥ सा हि य
व ड स ल य न म श्र न य न म य दं ॥ ॥ ग ण ट स नि र्व रू पी थि स क र थ क ट द ह ध नू २
॥ ॥ चालि उ रू ल न संचा नि उ गु या क ट च न ध मू ग २ ॥ १६ ॥ ॐ ॥ **नाग ग धा नः**
रू न वी डि उ व न क लि न म नू गि नू ना य वी न य व ति २ ॥ ५ ॥ ना च यि व ड स ल य

२५५

यमश्चनलीनवक्ति॥ ॥यसीसहस्रकीचददशसूर्यसहस्रवक्ति॥ ॥वक्रविह
 दू॥विमहस्रननायनसत्त्ववक्ति॥२॥ ॥॥**नग॥प्रदुष्टी**॥साठाआरुनक्षत्रि
 यायिनसम्बनलोंयोंधनयीकवालिलय॥**२**॥**कुक्षी**वानरुन्मथियाम्भानमकु
 टकहाविगकसा॥**२**॥**ननयमानुसैवलनामासमनसूदविमानुकाला**॥**२**॥**हम**
 विनाहिलिवडवावाहिरुदमहिमानुक्षाला॥ ॥**क्षालि**रायरावनंसूहमय
 नकर्यनरुवयितवाला॥**२**॥**गगदानीलवर्षु**वंछिनकदाभनूमथुलरुवसिन॥

五

॥ जियं ध उ म ट कं कृदि र ग न स म न म यि स थि शू न्न रु गाना २ ह म वि ना हि
नी व रु वा ना हि तु कृ वि नू द य मि शू न्ना ना ॥ ॥ गा व क्लि लित्ता व रु क्लि लिया
उ न क्ष क रु नू च न क्ष म्ना ना ॥ २ स म या ज्ञान च क्लि लित्ता ल म धु ल स म ल व रु
वा ना हि ॥ १८ ॥ **गा व क्लि लित्ता** ॥ हि ह उ च्चा प यि था गि नि द ह क वा दि १ क म ल क्लि
क्ष य शू क न हू न जी व यी ॥ ॥ या गि नी तु कृ वि नू द य मि शू न्ना ना २ ह म वि ना हि
मू ह चूं विया न क ल स यि व यि ॥ ॥ कृ य हू या गि नी तु कृ वि नू द य मि शू न्ना ना २ ह म वि ना हि

कूलवह्नियानडादियानसमान॥ ॥सासहचनधानकं वियतान१चउत्तर्यदः
 थियकनरवासा॥ ॥रुनयिचअनिहमकूँइवविना१ननयनानिमापाडरुय
 नरुवीना॥ १२॥ नागगन्धर्व॥ विविहंविहन्मयमानविहाशिवदन१दवासून
 गधउवनहृकनू॥ ५॥ नाचनमासिथीसूचनवीना१वजयागिनिचक्रियः
 मानसहर्षगाव॥ ॥वजवानाहिगर्लिंगक॥ ४१॥ कृत्तिसंवीनवीनथनसमन
 सविना॥ ॥रगाकूदहनविबूमनसरुक्रक१कनूधनूधनाथललायविषक

तिष्ठ

॥ ॥हादहाउडाधविवाविचउवदन१विलंसंरावगगधउरुलिना॥ १०॥
 ॥नागपञ्चम॥ जयवाकूलिहृन्वघनयि१सयनसूनासूनडगकडधवि॥ ३॥
 गरुगवक्रियाइकमलमहिमधुलनोपूननूधसुनंकावा१हाउमहागारुनधवि
 उमिरुममलधधुडलालाडिनितिनिनयनीतीनयना॥ ॥कनतिषमनशीव
 नललिलमाला१कश्चिखद्योगमकूटकडा॥ ॥नीलससिंधूनकऊलरूलाः
 १कमुनिकपूनगांवांनसूखसानि॥ ॥रुनयिगां॥ सुनिकवजवाकूविदासा१शी

2834

अथ निमित्तम्

इति वक्ष्ये प्रसादं नृणां पण्डितानां च ।
इति वक्ष्ये प्रसादं नृणां पण्डितानां च ।
नृणां पण्डितानां च ।
विज्ञानमन्त्राणां च ।
मन्त्राणां च ।
मन्त्राणां च ।
मन्त्राणां च ।

३ दिना ॥

२ प्रश्न विना

धालदगालरुवनि संकललिह शम्भय निवडंनमाक कृता ॥ ॥ दिनक नमः ॥
लमध्वगता शक नृत्तमृगनसस्य प्रिवयि ॥ ॥ दग्धालिरुयप्रतिनिद्रु
शदवास्तुननननिग्रंनमिता ॥ ॥ गवक्तिपवनपनिशुनृगता श्वजवावा
हीकुशनिग्रंधनिया ॥ ॥ २ ॥ नागकामाउ ॥ पुहलिगहंका नाहुवमनूनि
उनीलसमदहा शविश्रुडलिगहृष्टिकनर्षं नत्वमकूटकाधधिय ॥ ॥
नमामिगीचउवीनं रुवसिधूगनर्षं विश्वनाथविश्वयापिग विद्यानिविध्वंस

२ प्रश्न विना

नकनर्षं ॥ ॥ अनकजानूस्तिगठिउवनवीनं सव्यतिरूपप्रदधनं श्वा
मरुर्ननिहिदिद्यासधनं रुवापिगसनवधनकनर्षं ॥ ॥ नानावलाहानना
पूवंकलिमखलरूपीगदहा श्दुहकलालविद्युतिकि नर्षं गिउवननायप
वधुविनं ॥ ॥ वीनाधिवसर्वलयहनर्षं पुनयीगावादिभक्तमानसं श्मः
वननयकादिवदिगयादं सर्वसिद्धिमाकरुलदं ॥ ॥ ३ ॥ श्वगर्गनवि ॥ ॥ य
विस्तुगुगवनमहामाकपूवनदहायि अनूहन्वाधियदं श्जनामनधर

यवधनमात्रय यत्र मामृत्तमययत्रमशुनू॥ ॥ जहिवक्तुमहायाननयाहः
मदहिविनामृत्तयाननंरदभयिकहमगाचलउक्तकथनानूक्तनवाधियदं
॥ ॥ सर्वगतथागतयूज नयायद्याठयामिमयापतनूश्ययूपाभदिक्रीकयनि
वस्तित्कमलकूलिसुपविशामन॥ ॥ कूष्मण्डकमकूटासनिकमलाजि
नकूलसमयाआचार्ययदंरमलाजनदय्यलमलकूयदहावनमकिपदराह
नं॥ ॥ नमामिश्रीचक्रसंवन्शुनूवाक्कदृधनियारसकशुनूचनलकम

गजदिवक्त्रमहायाननयारुः

मद्विचितामृतपानचंगशदभयिकुहमणाचलउष्करथनानूरुनवाधियदं

॥ सर्वगथागतयूज नयायद्याठया मिमया पंरु नूश्ययूया भदिक्कीरुयनि

वाल्मीकिमलकालसुपावशामयः ॥ कृष्णमण्डकमकूटासनकमलाऽ

नकुल समया आचार्य यदशमं लोड न दयति मल कथं दही व न मां कथं दशात्
न०

न॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१०८८॥ १०८९॥

लपसायज्जुलवसिद्धियदमाक्रूरुलदरी ॥ १४ ॥ १ वागमालसि॥ वामदहि

नीजद्वयीबलनीशमाज्यविलासयिमेहासुखनयिया॥ गुरुभूयियापे

ॐ शिवाय सहजं मया २ सयल विमथला नय निराव ॥ ॥ गयन मयन

चिरुविलासाश्चकारुचिरुचक्रविद्या ॥ ॥ अकधवायिआरुल्लय

याश्चावायनयोः स्यात्सिद्धाविति॥ १०८॥

वाक्वज्रगून्धहमात्वा गजा ॥ स्वाग्निबिहासगघनशुद्धवनवनवनवनवनवन

२७ महिम सुते ॥

पाश्चत्य ठिषय न स्वदा ज नृक हा लयं च मिलन शत म कूट क षा कया लं ॥ ॥
पंथ रथा गत द हसि व द वी ज या व नी ज यं २ ज ग न मा नू सि या नि स व ल ज गु
मा ता नू हि स्यं मा यि जू नि का रु यं ॥ ॥ रु व दा ष री त म ति वि न य सून न व
ज क यि स्यं ज्ञान द वी य गु नू ष सा द यं ॥ ॥ अ वि यं वि य क वि यं पी न दी स ज ह
ना थ रा व हि यी ॥ ११ ॥ ना ग रू न वि ॥ ॥ उ म हि म गु ल भ नू स मू डा २ ज न ध न ज
र न उ द क वि च्च व डा ॥ ॥ प ष न नू मि य ला ये न ग य न २ रू ल म निः

२८ पति म उता ॥

हा स यि जि न गु न व य न ॥ ॥ क ल धा नि ॥ ॥ द्रि या वि ष य स र्व ज का २ स म
डि न न ज जि न उ के अ न का ॥ ॥ य व न द्रि र दि या द्रि य वि न वि मा २ क लः
यि व ज्ञान व द ह दि ह दा हा ॥ ॥ स ग रू नि रा व यि या न हा यि न ॥ ॥ १ सून न
व ज रू न यि अ चि त्त य वा धा ॥ १२ ॥ ना ग टा ठि ॥ ॥ स य नि म ति न म गु ल च क न २ उः
कि न कू ष य ता क वि ता नं २ ॥ ॥ स य नि ना दि त्त गु न य म न कं न द न गी त व य न
म ना रू ॥ ॥ प ष वू डा ल क स र्व य ला यं २ प ष कू ना न क वि त्त क दि व ॥ ॥

ज
 यादियकुमहासूखनायाश्नित्यरुगीतवनलमनारुलप्यनं॥ ॥अवकथान
 मस्यरुगहिक्रायंश्माथचविचनअथरुत्तचनिय॥ ॥वृद्धचविचनवृद्धन
 सनुषनिश्नादरुविक्तयस्ययंरु॥ ॥वृद्धतिथनयदापनिमाक्षितगतवृद्ध
 श्वृद्धारिहावनयाविघविक्तमिदंरुकला॥ ॥गनाहूंहूंगनाहूंहूंगनाहूंहूं
 हूंहूं॥१२॥**नागवनादि॥**कायिनवंसावाजिनवीक्षश्नरुहृतसर्वदवति
 रुवनलीन॥ ॥अनूरुमवजिनदानकलेयाश्नविनअक्षिसिद्धिनाहिपु

तादा॥ ॥गंगयमनाउदयितकिश्नाखिनविगमिगगतदवाय॥ ॥
 उदितगवचदानविजृक्षरगश्नगतमिधनमाअपवनहिदाय॥ ॥यवनय
 अयिनउक्कंनवक्षश्नियविक्तकनखदानकसिद्धा॥ ८० ॥**नागकामाउ**
रुनव॥तियतिष्ठनाथकिआयिनमचियतिश्नरुहृतवनरुहृतनहिमिष्ट॥
 ॥ ॥सचिक्तमनाजालंघनअधनाश्नमनहिवांनयांगुमिवकनयं॥
 ॥ ॥जम्बुवननधननतिष्ठरुक्तकिश्नरुहृतजाधजायडुद्धदनकनामि

८
 तिथिनिर्देशः॥

॥ ॥ पृथ्वीजननाजा अरूकनूधमय २ ह म उ ज दी क रु अ सि च उ हा सं ॥ ॥
 उ न ग म धि प ति य न म उ स द २ व ड पा भ व ज घा न न क न सं ॥ ॥ स मि न म ना थ
 ल ज ग ह न ल्हा न २ ह न उ य नि ष नु अ रू न हि दा खं ॥ ॥ य क ग वा रा जा ग
 ह न का य वि २ ना थ ह नू व आ रू व ड ह न क न सं ॥ ॥ नो ड ग ल व न न च
 वि ष क न ह कि २ ना थ म्मा रू आ य उ न जी व नि यं ॥ ॥ अ धा र्द उ व न ना
 थ उ न्ना व म वि षा २ ख म्मा रू वि ष नि रू स मि व क न सं ॥ ॥ वू ड व ल ना

२३ व न उ धे ग ॥

म अ रू का र ना जा द म दि ग स्ति न मा न ना स न क ना मि २ वा ह लि च न सं वू ड
 ग न ध नि या गा व नि कू लि म्मी गी त्व नि ना ॥ ८१ ॥ र ना ग रू व वि ॥ उं खे व
 ज ध क व ज ह का ला ल का वि ना रि नि य चा य यि या न २ रू ल यि अ क न म हा
 का रा न अ ल्पि य वि ष स म ह न ॥ ॥ घ घ घा न य २ स र्ब ड व न की ल य ह
 रू न्ना य ह न २ उं व ड की ल य व ड ध न आ रू का य वा क वि रु क ल य नि
 म्मी व ज स ल्वा ना धि या न ज नू रू न सि धि प द मा क रू ल दं ॥ ॥ पृ व दि

दात्रकाकननवरिनाऊनप्रतिधात्रनूपाश्चक्षुप्रलीषधमभानावदवाधियतिगधः
कीलयकि॥ ॥ श्रीवज्रसूत्र ॥ ॥ उरुनदिगदात्रनूकानननवभामवर्तन
लीमनयनीशोडगहनमहाभमभानायक्राधियतिगकीलयकि॥ ॥ पाश्चिमः
दिगदात्रभानानननसिन्दुनात्रुधननविकटनूपाश्चक्षुप्रलीषधमभाननउडंग
धियतिगधकीलयकि॥ ॥ दक्षिणदिगदात्रसूकनानननकनकनिरुददहाद्य
घननादिश्कनकरेनवमहाभमभानायक्राधियतिगधकीलयकि॥ ॥ दहन

वनकाखदवीयमदाटिकरूपीतारायचक्षुप्रलीषधमभानावदवाधियतिगधः
कीलयकि॥ ॥ दितिहवनलेकोडमदतिनयीतानूधननूका
धनूपाश्चक्षुप्रलीषधमभानानननसिन्दुनात्रुधननविकटनूपाश्चक्षुप्रलीषधमभान
॥ वायव्यवलकाखदवीयमदक्षिणनूकभामनकलालवदनीश्चक्षुप्रलीषधमभान
प्रलीषधमभानाववागाधियतिगकीलयकि॥ ॥ ॥ भानाविलकाखदवीय
ममथनीयभामनकलालविकटनूपाश्चक्षुप्रलीषधमभानावदवाधियतिगधः